HIMACHAL TIMES

18-07-15

FRI celebrates Van Mahotsava

DEHRADUN, JULY 17 (HTNS)

Forest Research Institute celebrated Van Mahotsava at Scientist Hostel, New Forest Campus, here today. Dr Ashwani Kumar, Director General, Indian Council of Forestry Research and Education was the Chief Guest on this occasion.

Lithchi (Litchi chinensis) and Mango (Mengifera indica) trees were selected for plantation under celebration of Van Mahotsava in FRI campus. On the occasion, Director General emphasized that we should plant as many as fruit trees in Dehradun because of the decreasing orchards of litchi and mangoes due to large scales constructions since last two decades.

The production of famous rose scented litchi of Dehradun is on verge of extinction. He also said that Second Forest Policy of India 1952 emphasized on importance of plantations of trees in gardens, parks, schools, office premises, colonies and on all types of vacant lands of the country in the name of Van Mahotsava.

Dr Savita, Director, FRI alleged that fruit bearing trees in the campus will reduce man-animal conflicts; especially monkey menace can be reduced by planting mango and litchi trees. On the occasion, DDGs, ADGs, senior officers, scientists, staff and workers from ICFRE and FRI were present.

GARHWAL POST
18-07-15

Celebration of Van Mahotsav in FRI

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 17 July: Forest Research Institute celebrated Van Mahotsava on 17th July 2015 at Scientist Hostel, New Forest Campus. DrAshwani Kumar, Director General, Indian Council of Forestry Research and Education was the chief guest on this occasion. Lithchi(Litchi chinensis) and Mango (Mengiferaindica) trees were selected for plantation, under celebration of Van Mahotsava in FRI campus. On this occasion, Director General emphasized that we should plant many fruit trees in Dehradun, because of the decreasing number of orchards of litchi and mangoes due to large scales constructions since the last two decades. The famous Rose scented litchi of Dehradun has become almost extinct he said and added that the Second Forest Policy of India 1952 emphasized on importance of plantations of trees in gardens, parks, schools, office premises, colonies and onall types of vacant lands of the country in the name of Van Mahotsava. DrSavita, Director, FRI alleged that fruit bearing trees in the campus will reduce man-animal conflicts, especially monkey menace can be reduced by planting mango and litchi trees.

On this occasion, DDGs, ADGs, senior officers, scientists, staff and workers from ICFRE and FRI were also present to grace the occasion.

THE PIONEER
18 July, 2015

MORE FRUIT TREES NEEDED IN DEHRADUN

Dehradun: The Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) director general Ashwani Kumar has stressed on the need for growing more fruit trees in Dehradun considering the decrease in orchards of litchi and mangoes due to large scale construction activity in the last two decades. Lithchi and Mango trees were selected for plantation to mark commemoration of the Van Mahotsav in FRI campus. Expressing concern over the decrease in fruit trees, the ICFRE DG said production of the famous rose-scented litchi of Dehradun has become a thing of the past. Plantation of fruit bearing trees on the institute campus would help reduce man-animal conflict, especially the monkey menace which can be mitigated by planting mango and litchi trees.

पंजाब केसरी

18-07-15

वन अनुसंधान संस्थान में मनाया गया वन महोत्सव

पौधारोपण करते महानिदेशक।

देहरादून, 17 जुलाई (मिश्र): वन अनुसंधान संस्थान देहरादून द्वारा वैज्ञानिक छात्रावास न्यू फॉरैस्ट प्रांगण में हरीतिका पर्व 'वन महोत्सव मनाया गया।

इस अवसर पर मुख्यातिथि भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डा. अश्विनी कुमार ने लीची व आम के पौधे रोपित किए। मुख्यातिथि ने कहा कि वन महोत्सव के महत्व को बढ़ाने के लिए हमारी 1952 में भी यह विदित था की देश के हर संस्थान, स्कूल, कालोनी, पार्क और बगीचे में बहुत संख्या में पेड़ लगाए जाएं।

वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक डा. सविता ने कहा कि जानवर और इंसानों के बीच की लड़ाई को फलदार पौधों के वनीकरण के द्वारा कम किया जा सकता है। इन पौधों के द्वारा बंदर और इंसानों के बीच की लड़ाई को कम किया जा सकेगा तथा पेड़ों की संख्या में भी वृद्धि होगी।

इस दौरान आई.सी.एफ. आर.ई. के समस्त अधिकारी, वैज्ञानिक व एफ.आर.आई. के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

वीर अर्जुन
18-07-15

वन अनुसंधान संस्थान में मनाया गया वन महोत्सव

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून, । वन अनुसंधान संस्थान द्वारा वैज्ञानिक छात्रावास न्यू फोरेस्ट प्रांगण में हरीतिका पर्व वन महोत्सव के रूप में मनाया गया। इस षुभ अवसर पर मुख्य अतिथि भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं षिक्षा परिशद के महानिदेषक डा. अष्विनी कुमार ने लीची और आम के पौधे रोपित किये।

डा. अष्विनी ने कहा कि वन महोत्सव के महत्व को बढाने के लिए देष के हर संस्थान, स्कूल, कालोनी, पार्क और बगीचे में बहुत संख्या में पेड लागाया जाएं। इस अवसर पर लीची (लीची चाइनेन्सिस) व आम (मेंगीफेरा इंडिका) के पौधों का चयन वन महोत्सव के अन्तर्गत किया गया, क्योंकि कि देहरादून में विकास होने के कारण लीची व आम के पेडों की संख्या मे लगभग 60 प्रतिषत की कमी आयी हैं। वन अनुसंधान संस्थान की निदेषक डा0 सविता ने इस अवसर पर कहा कि जानवर और इन्सानों के बीच की लडाई को फलदार पौधों के वनीकरण के द्वारा कम किया जा सकता है। इन पौधों के द्वारा बन्दर और इन्सानों के बीच की लडाई को कम किया जा सकेगा तथा पेडों की संख्या में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा की यह संस्थान वानिकी से जुडा संस्थान हैं औरों की अपेक्षा हमारा दायित्व ही नहीं अपितु नैतिक जिम्मेदारी भी बनती हैं कि हम इन फलदार वृक्षों की घटती संख्या को बढाये तथा वनों के विकास के लिए समाज के हर वर्ग को वानिकी से जोडे व फलदार पेडों को लगाने का यह प्रयास देहरादून के लोगों को करना चाहिए ताकि इनकी घटती हुई संख्या को रोका जा सकें। इस अवसर पर आई0 सी0 एफ0 आर0 ई0 के समस्त अधिकारी, वैज्ञानिक मौजूद रहे।

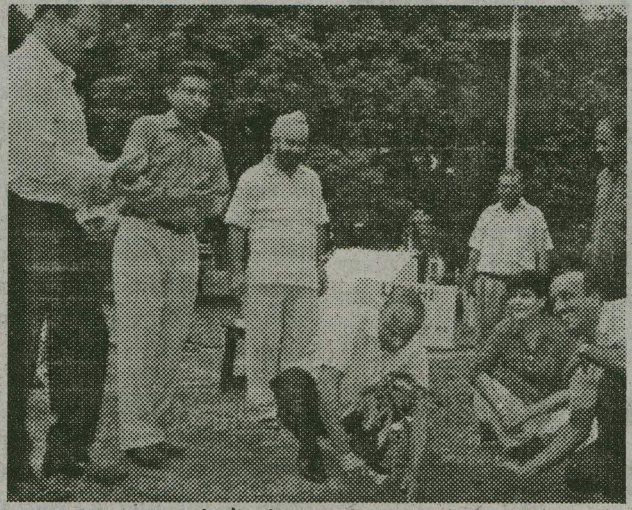

वन अनुसंधान संस्थान में पौधारोपण करते संस्थान के अधिकारी।

शाह टाइम्स
18-07-15

एफआरआई मे मना वन महोत्सव

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा वैज्ञानिक छात्रावास न्यू फोरेस्ट, प्रागण में हरीतिका पर्व वन महोत्सव मनाया गया। इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डा. अश्विनी कुमार ने लीची और आम के पौधे रोपण किये।

मुख्य अतिथि ने कहा कि वन महोत्सव के महत्व को बढ़ाने के लिए हमारी सेकेण्ड फॉरेस्ट पॉलिसी 1952 में भी यह विदित था की देश के हर संस्थान, स्कूल, कालोनी, पार्क और बगीचे में बहुत संख्या में पेड़ लागाया जाऐ। इस अवसर पर लीची (लीची चाईनेन्सिस) व आम

फलदार वृक्षों की घटती संख्या को बढ़ाया जाना सभी की जिम्मेदारी

(मेंगीफेरा इंडिका) के पौधो का चयन वन महोत्सव के अर्न्तगत किया गया क्योंकी कि देहरादून में विकास होने के कारण लीची व आम के पेडों की संख्या मे लगभग 60 प्रतिशत की कमी आयी हैं।

वन अनुसंधान संस्थान की निद. शक डा. सविता, ने इस अवसर पर कहा कि जानवर और इन्सानो के बीच की लड़ाई को फलदार पौधो के वनीकरण के द्वारा कम किया जा सकता है इन पौधो के द्वारा बन्दर और इन्सानो के बीच कीलड़ाई को कम किया जा सकेगा तथा पेडों की संख्या मे भी वृद्धि होगी इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने यह भी कहा की यह संस्थान वानिकी से जुडा संस्थान है औरो की अपेक्षा हमारा दायित्व ही नही अपितु नैतिक जिम्मेदारी भी बनती हैं कि हम इन फलदार वृक्षो की घटती संख्या को बढाये तथा वनो के विकास के लिए समाज के हर वर्ग को वानिकी से जोडे व फलदार पेडो को लागने का यह प्रयास देहरादून के लोगो को करना चाहिए ताकि इनकी घटती हुई संख्या को रोका जा सके। इस अवसर पर आई सी एफ आर ई के समस्त अधिकारी,वैज्ञानिक व एफआरआई के समस्त अधिकारी, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

अमर उजाला
18-07-15

महानिदेशक ने लगाया लीची का पौधा

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान की ओर से हरेला पर्व पर वैज्ञानिक छात्रावास में पौधरोपण किया गया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डा. अश्विनी कुमार ने लीची का पौधा लगाया। कहा कि वन महोत्सव के महत्व को बढ़ाने के लिए हमारी द्वितीय फॉरेस्ट पॉलिसी 1952 में भी यह कहा गया था कि देश के हर संस्थान, स्कूल, कालोनी, पार्क और बगीचे में बड़ी संख्या में पेड़ लगाए जाए। वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक डा. सविता ने कहा कि जानवरों और इंसानों के बीच संघर्ष को फलदार पौधों के वनीकरण से ही कम किया जा सकता है।

हिन्दुस्तान
18-07-15

दून में आम-लीची के साठ फीसदी पेड़ हो गए गायब

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डॉ.अश्वनी कुमार ने कहा है कि विकास की होड़ में बीते कुछ सालों में दून से आम और लीची के साठ प्रतिशत पेड़ गायब हो गए हैं। समय रहते पेड़ों का संरक्षण न किया गया तो आने वाले वक्त में इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। शुक्रवार को महानिदेशक एफआरआई में आयोजित हरीतिका कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने अभियान का आगाज करते हुए लीची का पौधा लगाया। निदेशक एफआरआई डॉ. सविता ने कहा कि पौधरोपण जैसा कार्य सभी लोगों को दायित्व मानकर करना होगा।